BDB-3-HI

बाइबल का सम्मान दूर करने का युद्ध 3

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, बाइबल कितनी सटीक है? क्या ये सच है कि हमारे पास आए नए नियम की अलग अलग कॉपी में 4 लाख से भी ज्यादा फर्क पाए जाते हैं, क्या हम सच में जानते हैं कि बाइबल के लेखक क्या बताना चाहते थे? आज आप इसे देखेंगे, आप के खास प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, प्रोग्राम में स्वागत है, प्रोग्राम के शुरू में आप ने देखा बार्ट अहरमन की किताब मिसकोटिंग जीजस का चित्र देखा, इस किताब में वो कहते हैं कि यदि आपके पास असली कॉपी नही हैं, प्रेरितों के असली हस्तलेख नही हैं, और कॉपी की कॉपी की कॉपी हैं, और फिर 4 लाख टेक्स्टयुअल फर्क हैं, तो हम कैसे बता सकते हैं कि प्रेरितों ने यीशु के बारे में क्या लिखा था, क्या ये एतिहासिक यीशु के दृष्टिकोण पर प्रभाव डालता है, और फिर क्या ये सिद्धान्तों पर भी प्रभाव डालता है?

और इस पर चर्चा करने के लिए, डॉ. डेरेल बॉक आज एतिहासिक यीशु के बारे में एक महान विद्वान् हैं, और इनके साथ हैं, संसार के मुख्य टेक्स्टयुअल क्रिटिक्स, डॉ. डेनियल बी वालेस, ये नए नियम के हस्तलेख का अध्यन करने के लिए सेन्टर के डायरेक्टर हैं, और इनके पास पुरे संसार के हस्तलेखों के फोटो हैं, और साथ ही और भी कॉपी हैं, जो हालही में नए नियम के डॉक्यूमेंट खोजे गए हैं, उनकी भी, ये नेट बाइबल के सीनियर न्यू टेस्टामेंट एडिटर हैं, इन्होने लिखी है, ग्रीक ग्रामर बियोंड द बेसिक्स, एक्सेजेटिकल सिंटेक्स ऑफ़ न्यू टेस्टामेंट/

डैन, मेरे पास बार्ट अरमन से आपके लिए कोट है, और वो ये कहते हैं, ये टेक्स्टुअल क्रिटिक, बार्ट अर्मन कहते हैं, मैं नए नियम के जितने ज्यादा हस्तलेख पढ़ता हूँ, उतना ज्यादा जानता हूँ, कि कैसे अजीब तरह से इतने साल में टेक्स्ट बदला गया है/ ठीक है, आप विश्वास नही करते कि ये सही है, बताइए कि क्यों?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, मैं अरमन की एक और किताब के बारे में कहूँगा जो उन्होंने अपने मेन्टर डॉ. ब्रूस मेन्टज़र के साथ लिखी थी/ द टेक्स्ट ऑफ़ द न्यू टेस्टामेंट, जो 2005 में पब्लिश हुई थी, चौथा एडिशन, और उन दोनों ने कहा था कि अलेक्सान्द्रियन टेक्स्ट स्ट्रीम या ये हस्तलेख जो शुरू में सबसे महत्वपूर्ण लेख आए, ये ट्रांसमिशन का सबसे शुद्ध तरीका था, जब हम उसे देखते हैं तो बहुत से टेक्स्टुअल क्रिटिक्स ज्यादातर असली टेक्स्ट पर आधारित होते हैं, वो एक दूसरे से बहुत मिलते हैं, जब अहरमन अजीब हस्तलेखों के बारे में कहते हैं, या अलग टेक्स्ट के बारे में, तो वो यहाँ के हस्तलेखों के बारे में कह रहे हैं, लेकिन उनके बारे में नही जो ज्यादातर टेक्स्टटुअल क्रिटिक्स मानते हैं कि ये असली से मिलती हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: पिछले हफ्ते जो कहा था उसे फिर से बताइए, चलिए शुरू करते हैं, इतने सारे डॉक्यूमेंट जो हमारे पास हैं, इन न्यू टेस्टामेंट लेख के बारे में जिसकी तुलना इतिहास में किसी के साथ होती है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: हमारे पास नए नियम के लिए बहुत से साहित्य हैं, किसी भी ग्रीको-रोमन साहित्य से, लेखों से, यदि आप सामान्य क्लासिकल लेखक ले और देखे कि उन्होंने कितनी किताबें लिखी हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: होमर, एरसटोटेल, सरायटस, हेरोडेटोस/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, मैं उन्हें सामान्य नही कहूँगा, लेकिन यदि आप कहे तो होरमर बहुत उपर हैं, नंबर दो पर, नए नियम के बाद, लेकिन यदि आप इन सामान्य लोगों को ले, और उनके हस्तलेखों के 20 से भी कम कॉपीज हैं, अभी भी हैं, यदि आप उन्हें साथ रखे, तो लगभग 4 फीट ऊँची होगी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और साथ ही जिस समय उन्होंने इसे लिखा, उस समय से आपने उसकी कॉपी पाई, उन में से बहुत कुछ क्या था? ठीक है?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: ये सामान्य रूप में 500 से 1000 साल का समय था उनकी कॉपी पहले कभी नही थी, हम उस समय के बारे में कह रहे हैं, नया नियम बनाने के 400 साल बाद, तब 60-70 कॉपीज थी, और उस समय तक कहूँगा कि कई दर्जन कॉपी हो चुकी थी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रेरितों ने लिखा उसके 50 से 100 साल के अंदर ही, कितनी कॉपी आ चुकी थी?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: नए नियम के 10 से 15 फ्रेगमेंट हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आज भी आप के पास हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: अस्तित्व में हैं, जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, आपके पास अद्भुत कॉपी हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: चलिए तुलना करते हैं, ये क्लासिकल लेखक हैं, उनके साहित्य कहिए चार फीट के हैं, और नए नियम के डाक्यूमेंट्स को जोड़े, हम ग्रीक हस्तलेख और वर्शन के बारे में कह रहे हैं, मुझे पता नही कि चर्च के पिता के 10 लाख से भी ज्यादा कोटेशन का क्या करें, इसे रखे तो एक मील ऊँचा होगा, तो कोई आश्चर्य नही कि नए नियम का अध्यन इतना बड़ा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: याने ये एक मील ऊँचा जो है उसी पर दोष लगाया जाता है/ ये आपका साइन्स है कि इन सब टेक्स्ट की तुलना करे, और एक एक शब्द को देखकर कहना है, कि ठीक है 29 हज़ार हस्तलेखों में ये शब्द है, फिर अगले और फिर अलगे में जाते हैं, और, ठीक है, अब, ये सब हस्तलेखों का फर्क, अरमन कहते हैं, जानते हैं हस्तलेखों में 4 लाख फर्क पाए गए हैं, आप इससे सहमत हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैं इससे सहमत हूँ, ये हमारा अच्छा अनुमान है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, लेकिन फिर वो कहते हैं, कि नए नियम में 1 लाख 38 वचन हैं, और नए नियम के हर शब्द के लिए तीन अलग पर्याय हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, नए नियम में 1 लाख 38 हज़ार शब्द हैं, जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, ठीक है, तो अब, चलिए इसे फिर से विभाजित करते हैं जैसे पिछले हफ्ते किया था, कहिए कि पाय का 100 प्रतिशत भाग है, जो कि 4 लाख हस्तलेख हैं, आप कहेंगे कि हमें ये कैसे मिलता है, क्या ये सच में यीशु और मसीही सिद्धान्तों को नुकसान पहुंचता है? चलिए इसे देखते हैं कि जब हम इसे गिनते हैं तो वो फर्क क्या हैं?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, जब हम सोचते हैं, वो संख्या जिसके बारे में अरमन बता रहे हैं, 3 लाख से 4 लाख के बिच, एक समय कहते हैं कि 15 लाख के पास हैं, हमें पता नही, उनका जोर तो संख्या के उपर है, लेकिन जब उन फर्क की विशेषता को देखते हैं, तो अब ये अलग कहानी बताता है, डेलेस सेमनरी के मेरे विद्यार्थी जो टेक्स्टटुअल क्रिटिसिज्म पर क्लास कर रहे हैं, हम इसे प्राचीन हस्तलेख को कोलेटिंग करना कहते हैं, उन्हें ट्रान्सस्क्रिप्ट के हर शब्द से जाना पड़ता है, और बहुत से भाग में वो काम से तंग आते हैं, क्योंकि सबसे बड़ा फर्क वो स्पेलिंग का फर्क देखते हैं, वो असली फर्क को देखते हैं जिसका अर्थ होता है, ये बहुत कम होता है, इसे आने में समय लगता है तो वो बोर होते हैं, याने इतने कम फर्क हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और आप टेक्स्टटुअल क्रिटिक के रूप में कहते हैं, जब आप इस एक मील ऊँचे डॉक्यूमेंट को देखते हैं, तो आप कह रहे हैं कि इन सब फर्क का 75 प्रतिशत भाग तो केवल स्पेलिंग का फर्क है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: या बेकार का फर्क है, 75 प्रतिशत को दूर कर दिया है, तो इससे कोई फर्क नही पड़ता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: उससे फर्क नही पड़ता है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जब भी आप जॉन नाम देखते हैं, चाहे एक एन हो या दो एन, ये हस्तलेख पर है, ये केवल फर्क है, अलग बड़ा भाग तो ये है कि अर्थपूर्ण फर्क जिससे बदलाव नही होता, या शब्द का क्रम बदला, समानार्थी शब्द, ये लगभग 20-25 प्रतिशत है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, बताइए यीशु युहन्ना से प्रेम करता है, इसे कितने तरह से कह सकते हैं?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: इसे ग्रीक में 18 अलग तरह से कह सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: इसे 18 अलग तरीके से लिख सकते हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी लिख सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हर समय ये अलग तरह से बताया गया है, हालाँकि अर्थ नही बदलता/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: अर्थ बिलकुल वही है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये फर्क है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: इसे फर्क मानते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: साथ ही चर्च के पिता से लाखों कोटेशन्स हैं, वो भी आते हैं यदि उन्होंने ये वचन कहे हैं, थोड़े अलग रूप में, चाहे उसका वही अर्थ हो, सच तो ये है कि वो भी फर्क है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: यहाँ बहुत से फर्क होने की श्रमता दिखती है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, यहाँ फर्क की श्रमता है, वो भी लाखों और कई लाखों में होने की संभवना है/ सच तो ये है कि केवल 3 या 4 लाख हैं,ये छोटे फर्क हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: बिना अर्थ के/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, ये अद्‌भुत है कि ये टेक्स्ट का टेबल किस तरह बताता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, इस के बारे में बताइए, पाय का 75 प्रतिशत भाग ये है और फिर...

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: लगभग 25 प्रतिशत हैं जो शब्दों का बदलाव है या समानअर्थी शब्द हैं, और अर्थपूर्ण फर्क हैं जो असली नही हैं, याने ये असली से नही मिलते हैं, और इसके बाद एक भाग ही बचता है, अरमन इसी के बारे में कह रहे थे, अर्थपूर्ण और जो असली नही का फर्क, याने ये जो टेक्स्ट के अर्थ पर प्रभाव डालते हैं, और संभव है कि ये असली से मिलते जाए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और ये तो 1 प्रतिशत से भी कम हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: 1 प्रतिशत से भी कम हैं, अब तक का सबसे छोटा भाग/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, क्या इन में से कोई मसीही सिद्धान्त और यीशु के इतिहास पर प्रभाव डालता है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी, ये अजीब बात है कि अरमन इस तरह से दिखाते हैं कि ये प्रभाव डालते हैं, लेकिन कोई भी प्रभावी सिद्धान्त नही जो इस फर्क से प्रभावित हो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं इसे दिलचस्प पाया है कि लोग इसे नही जानते, याने सन 1707 में देखे, टेक्स्टटुअल क्रिटिक्स इस नियम के साथ आ चुके थे...

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: 1707 में एक भाई थे जिनका नाम जॉन मील था, उन्होंने ग्रीक नया नियम एक साथ जोड़ा, क्योंकि दोष निकालनेवाले कह रहे थे, तुम्हारे ग्रीक नए नियम में बहुत फर्क हैं, हम नही जानते हैं कि असली टेक्स्ट क्या है? तो उन्होंने इसे बनाते हुए बहुत समय बिताया, उनके मरने के 1 हफ्ते पहले उन्होंने इसे पब्लिश किया, और उस में 30 हज़ार टेक्स्टटुअल समस्याएँ बताई गई, 1707 में एक मनुष्य ये इतने फर्क देखे, फिर आए योहान अल्बर्ट बेन्गल, वो आए और उन्होंने मिल्स के काम को देखा, और वो फर्क के ओर्थोडोक्सी के वाक्य को लेकर आए, बेन्गल भी 1700 में जीए थे, उन्होंने कहा कोई डॉक्यूमेंट नही हैं जिन पर इन फर्क का प्रभाव हो/ और उस समय से, बेन्गल के वाक्य के बाद, ये तो टेक्स्ट के फर्क को अच्छे से देखा जाने लगा, केवल कुछ लोग जो सच में इस अनुशासन से बाहर थे, वो जो दावा कर रहे थे उसके संबन्ध में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये 200 साल पहले हुआ था/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप लोगों को ये इतिहास पता है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, केवल यही बात प्रभाव डालती है, चाहे कुछ भी हो खास वचन में खास शिक्षा होती है/ अब यही होता है इन वचनों में जिन में फर्क है, उस में उस वचन के भाग के बारे में कुछ है जो सामान्य रूप में कुछ है जिससे ये अर्थपूर्ण फर्क है/ लेकिन ये कहना अलग होगा जब आप पुरे वचन को एक साथ रखते हैं, हम

कुछ खो गए हैं, मसीही शिक्षा का केंद्र खो बैठे हैं, इस में हम ये देखते हैं लेकिन दूसरे में हम देखते हैं कि ये कोई टेक्स्ट की समस्या नही है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: चलिए मैं इसका उदाहरण देता हूँ, देखिए, पहला तीमुथियुस 3:15 में, सबसे आधुनिक अनुवादों में ये यीशु के बारे में कहता है, जो शरीर में प्रकट हुआ, अब किंग जेम्स बाइबल कहती है, परमेश्वर शरीर में प्रकट हुआ, या देखा गया, अब जो और परमेश्वर शब्द में फर्क ये है, ग्रीक में कि ये तो केवल अक्षर के बिच एक बार का ही है, जो शब्द लिखे तो लिखेंगे ओ सी, और परमेश्वर के लिए ओ सी है लेकिन इन के बिच एक रेखा होती है, याने बार है, इन दोनों के बिच का फर्क तो केवल एक बार है, बहुत कम फर्क है, हम देख सकते हैं कि शास्त्री इस में गलती कर सकते हैं, और हम यही देखते हैं, खैर, यदि पौलुस ने असल में लिखा कि परमेश्वर शरीर में प्रकट हुआ, अब इसे बदलकर जो आया है, क्या यहाँ मसीह का ईश्वरत्व नही है? बिलकुल नही, मसीह का ईश्वरत्व एक शब्द पर आधारित नही है/ मैं सोचता हूँ कि जो शरीर में प्रकट हुआ, ये असली है और डेरेल भी इस पर विश्वास करते हैं, लेकिन सच्चाई है कि मसीह का ईश्वरत्व जैसे हमने पिछले प्रोग्राम में कहा था, ये पुरे नए नियम में पाया जाता है, ये इस भाग पर आधारित नही है, हम इस सिद्धान्त के बारे में नही कह रहे हैं/ हम कह रहे हैं कि इस सिद्धान्त से कितने वचन हैं, यदि 27 वचन के बजाए 28 वचन हैं/ तो बड़ा फर्क नही है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हमने कहा है कि बड़ी बात अंत के लिए है, ठीक है, बार्ट अरमन की किताब मिसकोटिंग जीज़स, जो आज विख्यात बेस्ट सेलर है/ याने इस के कुछ भाग विश्वासी लिए हुए हैं, जो कि टेक्स्ट से बिलकुल नही हैं, हम इसके नाम लेंगे, अब ब्रेक और वापस आने पर, इस पर चर्चा करेंगे, जो स्त्री व्यभिचार में पकड़ी गई थी, ये कहानी टेक्स्ट का भाग नही, इसे नही होना चाहिए था, मरकुस के सुसमाचार के अंतिम 12 वचन, इस दूर कीजिए उन्हें भी नही होना चाहिए था/ 1 युहन्ना 5:7, जो त्रिएकता के बारे में कहता है, वो भी यहाँ नही होना चाहिए था, यीशु ने जब कोडी को चंगाई दी तब वो क्रोधित था, ये बड़ा बदलाव है जो मरकुस की किताब पर प्रभाव डालता है/ ठीक है, यीशु क्रूस पर डर के मारे पुकार रहा था, इब्रानियों 2:9 को जोड़ा है इब्रानियों 5:7 से, ठीक है, वो कहते हैं कि तुम्हारे पास ये उदाहरण हैं, तो अपनी बाइबल पर भरोसा नही कर सकते हैं, ठीक है, इसका जवाब देखते हैं, ब्रेक से वापस आने पर, तो हमारे साथ बने रहिए/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, हम डॉ. डेरेल बॉक और डॉ. डैनिएल बी वैल्स से चर्चा कर रहे हैं, और हम मुख्य सवाल के बारे में चर्चा कर रहे हैं, जो आज हमारे समाज में उठा है/ और वो है कि हम नए नियम में जो वचन देखते हैं की उन पर भरोसा कर सकते हैं? क्या हम किताबें और सिद्धात और वहां देखे जानेवाले ऐतिहासिक यीशु पर भरोसा कर सकते हैं, या शास्त्रियों ने जानबूझकर इसे बदल दिया है, उस समय में या टेक्स्ट में बहुत से बदलाव हैं तो लोग सुझाव देते हैं कि वहां कौनसे शब्द होने चाहिए, और जो उदाहरण बार्ट अरमन ने उपयोग किए हैं, टेक्स्टुअल क्रिटिक्स, जिन्होंने बेस्ट सेलिंग बुक लिखी है, मिसकोटिंग जीजस, और वो मरकुस के सुसमाचार के अंतिम 12 वचन का उपयोग करते हैं, ये तो शॉक का तरीका है, कि वो कहे देखिए क्या आप जानते हैं कि मरकुस के सुसमाचार के अंतिम 12 वचन नही होने चाहिए/ और ये बहुतसी बातों पर प्रभाव डालता है, बताइए कि आप क्यों प्रभावित नही हैं/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: इसे कम से कम 125 साल से जाना गया है, कि ये अंतिम 12 वचन शायद ओथेंटिक नही हैं, और कोई भी सिद्धान्त का वाक्य नही है किसी भी स्कुल या चर्च से जो इस तरह से कहे कि ये अंतिम

12 वचन मरकुस 16:9-20 बाइबल में होने चाहिए, ये महत्वपूर्ण कहानी है, लेकिन सच तो ये है कि ये भाग वचन है या नही, और ये बुनियादी सिद्धान्त पर प्रभाव नही डालता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: सच में जितनी भी बाइबल हैं, शायद किंग जेम्स में ये फुट नोट है, कि ये असली टेक्स्ट का भाग नही है/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, हमारे बहुत से आधुनिक अनुवाद, किंग जेम्स और न्यू किंग जेम्स को छोड़, जिस में मार्जिन में कहा गया है, ये सबसे पुराने हस्तलेखों में नही पाया जाता है और ये सच है/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: नेट बाइबल इस बात को विवरण के साथ बताती है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: क्या आप इसके बारे में कहेंगे, कि इसे निकाल दिया तो भी कुछ फर्क नही पड़ेगा/

डॉ. डेरेल बॉक: बिलकुल, यदि आप इसे ध्यान से देखेंगे, तो ये कुछ उलझा हुआ दिखता है, और लगभग कुछ भी नया नही है जो और कही से आया होगा, और इसलिए मैं सोचता हूँ, ये यही दिखाता है, कि किसी ने मरकुस के अंत को पढ़ा, ये मानो खुले विचार के साथ अंत होता है , ये पढनेवाले को चुनौती देता है कि पुनरुत्थान के बारे में वो क्या करेंगे, और वो कहे, ओ, ये थोडा मुश्किल है, तो वो इसे इन बातों से भरते हैं, एक तरह से महान आज्ञा है, इसलिए मरकुस का अंत दूसरे सुसमाचार जैसे दिखता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जल्दी से, आप इन लोगों से क्या कहेंगे, खैर जानते हैं, मरकुस पुनरुत्थान के बारे में नही जानता था?

डॉ. डेरेल बॉक: यदि वो पुनरुत्थान के बारे में नही जानता तो परमेश्वर के पुत्र के बारे में नही लिख सकता था/ जी, जी, मतलब यदि वो पुनरुत्थान के बारे में नही जानता, ये तो पुरे संसार में अजीबसा विचार है, वो चर्च की परंपरा में फीट होता है और सुसमाचार लिखता है, वो परमेश्वर के पुत्र के बारे में कहता है, जो उठाए जाने के बारे में है, उसमे पुनरुत्थान जरुर है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: उसने खाली कब्र के बारे में लिखा और उसने...

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: और यीशु ने अपने पुनरुत्थान के बारे में खुद तीन बार भविष्यवाणी की है/ और निश्चय ही ये खुले विचार का है, ये पढनेवाले को न्योता देता है कि तुम यीशु के लिए क्यों करोगे?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: साथ ही पौलुस मरकुस के पहले लिखता है, सामने हम पहला कुरिन्थियों 15 रखते हैं, वो पहले ही उसके बारे में जानता है, और पुनरुत्थान आता है/

डॉ. डेरेल बॉक: ये बिलकुल ऐसा मुद्दा है, कि हम परमेश्वर के पुत्र के बारे में नही कह सकते हैं, जो अभी भी जीवित है और लोगों पर प्रभाव डाल रहा है, यदि कोई पुनरुत्थान नही है तो/

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: जी इसमें पुनरुत्थान है मरकुस 16:1 से 8 में, इसमें यीशु के पुनरुत्थान के बाद मनुष्य के सामने प्रकट होने की बात नही है, यही फर्क है, याने ये कहना कि मरकुस 16 में यीशु का पुनरुत्थान हैं, तो ये वचन 8 के अनुसार सही नही है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, एक और बात जिससे लोग चौक जाएंगे, वो ये है कि ये व्यभिचार में पकड़ी गई स्त्री की कहानी जिसे यीशु के सामने लाया गया था, ठीक है, वो कहते हैं कि ये वचन का भाग नही है, आप इसके लिए क्या कहेंगे?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मैं उनके साथ सहमत हूँ कि ये युहन्ना ने जो लिखा उसका भाग नही है, युहन्ना 7:53 से 8:11 तक, और मैं लोगों से यही सवाल पूछना चाहता हूँ, मैं कहता कि ये मेरे पसंद का वचन है जो बाइबल में नही है/ मुद्दा ये है कि यदि आपको चुनाव करना है,मरकुस 16:9 से 20 में, युहन्ना 7:53 से 8:11 में, यदि इस में से बाइबल में केवल एक रखे और दूसरे को निकाल दे, अब तक मैं जहाँ भी गया तो यही सवाल पूछा और यूनिवर्सिटी के लोगों ने कहा, मरकुस 16 को छोड़ मैं इस कहानी को रखूंगा/ और ये वचन का भाग जो प्राचीन शास्त्री भी चाहते थे, इसमें इसके बारे में कम गवाही हैं, मरकुस 16 से जो कि बड़ा भाग है/ याने टेक्स्ट क्रिटिकल सिद्धांतों के आधार पर,हमें अरमन के साथ सहमत होना होगा, कि ये भाग बाहर है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, एक और, कोई बात नही, यदि हमारे पास 1 युहन्ना 5:7 है, जो खासकर त्रिएकता को दिखाता है, हमें वचन बताइए और फिर क्या इसे रखना चाहिए या नही?

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: पहला युहन्ना 5:7 ये पाया जाता है, किंग जेम्स बाइबल कहती है, कि स्वर्ग में तीन गवाह हैं, पिता, वचन और आत्मा, और ये तीनों एक हैं, ये ऐसा वचन है जो बाइबल में जोड़ा गया है, 1522 में, जब अरैसमस जो ग्रीक नए नियम के पहले पब्लिशर थे, जिन पर चर्च से दबाव पड़ा कि इस त्रिएकता के वाक्य को जोड़े, क्योंकि ये कुछ लैटिन हस्तलेखों में पाया गया था/ और कोई शास्त्री थे जिनका नाम रॉय था, जो 1520 में ऑक्सफ़ोर्ड में काम करते थे, और वो इस पुरे नए ग्रीक नए नियम को लिखते हैं, और किसी तरह से ये अरैसमस के हाथो में आता है, और अरैसमस ने कभी वादा नही किया था कि वो इसे रखेंगे, यदि वो इस तरह का हस्तलेख देखे, लेकिन उन्होंने इसका उल्टा ही कहा, मैं इसे इसलिए नही रखा क्योंकि मुझे कोई हस्तलेख नही मिले/ तो उन्हें ये हस्तलेख मिलते हैं जो कोई उनके पास लेकर आया था, और वो उस ग्रीक टेक्स्ट में लिखते हैं, और उन्होंने जो रॉय ने लिखा था उसे बदलते हैं क्योंकि रॉय ग्रीक अच्छे से नही जानते थे, वो लैटिन से ग्रीक में ट्रान्सलेट किया, उन्हें इसे करना पड़ा था/

ये प्राचीन हस्तलेख में नही पाए जाते हैं, ये 16 वी सदी के 4 हस्तलेखों में पाया जाता है, और 4 हस्तलेख जो 12 वी सदी में और बाद में मार्जिनल नोट में है, जो 16 वी और 17 वी सदी में आए, इस वचन के बारे में मुझे कहना होगा, ये ऑथेन्टिक नही हैं, और प्राचीन चर्च ने कभी नही सोचा कि ये ऑथेन्टिक है, अरमन इन बातों के बारे में इस तरह से कहते हैं कि इस के बिना हम त्रिएकता के सिद्धान्त नही ला सकते हैं, और इसलिए त्रिएकता सही नही है,वो जानता था कि चर्च का काउंसिल क्या विश्वास करता है, वो जानता था कि कांस्टेंटीनीपल की काउंसिल क्या विश्वास करते थे, और नाइसिन की काउंसिल क्या विश्वास करती थी, और ये सब 451 की कालेडोनियन क्रीड है, जो स्पष्ट रूप में त्रिएकता को बताती है, इस वचन के अस्तित्व में होने के बिना ही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और यदि ये अस्तित्व में होता तो वो इसे किसी भी तरह से रोकना चाहते थे/

जी, उन्होंने कोशीश की, याने वचन के बिना ही वो त्रिएकता को पहचान पाए, /

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: 1500 साल तक आपने सारे डॉक्यूमेंट जमा किए और आपके पास इनकी कॉपी हैं, और एक भी कॉपी में ये वचन नही है/

जी ग्रीक कॉपी में, नही है, लेकिन बाद में कुछ लैटिन वुल्गेट हस्तलेखों में है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, याने ये चौकानेवाला है, ठीक है, वचन के भरोसेमंद होने के बारे में, ब्रूस मैट्सगर के बारे में बताइए, जो बार्ट अरमन के मेंटर थे, और उन्होंने वचन पर जीवन भर अध्यन के करने के बाद क्या कहा है, /

डॉ. डैनिएल बी वेलेस: मेट्सगर एक ऐसे विद्वान् थे, जिनके बारे में बहुत से बाइबल के विद्वान् कहेंगे देखिए हम सब किसी तरह से हाथ उठाते हैं, केवल ब्रूस मेट्सगर को छोड़, पता नही वो इसे कैसे करते, पैराशूट से कूदते या कुछ, वो खुद अपने आप में एक लीग थे, और मेट्सगर ने अपने जीवन के अंत में, उन्होंने कहा, जितना ज्यादा मैं इस वचन को पढ़ता हूँ, उतना ज्यादा ये विश्वास करने लगे कि ये यीशु के बारे में जो बता रहा है वो सच है, और उनके पास बड़ी निश्चिता थी, इन हस्तलेखों के एतिहासिक होने के बारे में, और फिर वो इसका अध्यन करने लगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: विद्यार्थीयों को बार्ट अरमन की किताब का क्या करना चाहिए?

मैं प्रोत्साहित करूंगा कि वो इसे पढ़े, वो सही सवाल पूछ रहे हैं, मैं प्रोत्साहित करूंगा कि क इवल उनकी किताब ही न पढ़े, साथ ही हमारी किताब भी पढ़े, डीथ्रोनिंग जीजस, और पढ़े, पुटिंग जीजस इन हिज़ प्लेस जो दिखता है, कि मसीह का ईश्वरत्व कितना मजबूत है, जो है कोमोस्वेकी और बोमन की, वो ली स्ट्रोबल की किताब पढ़े, द केस फॉर द रियल जीजस, वो खुद से ये सवाल पूछे,लेकिन उन्हें शुरू नही करना चाहिए जैसे डेरेल ने कहा है, ब्रिटल फंडामेंटलीज्म से,या दूसरे किसी कठोर विषय के साथ, उन्हें यही करना चाहिए कि चलिए मैं इन मुद्दों से लड़ता हूँ, और जाने कि मसीह का व्यक्तित्व तो ज्यादा महत्वपूर्ण है जो मैं बाइबल के बारे में सोचता हूँ उससे भी, जब वो इसे समझ लेंगे तो ऐसी जगह आएंगे कि उसका आदर करेंगे, और बाइबल के लिए इनकी मनोदशा के कारण, उन में वचन के बारे में भी सही मनोदशा होगी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप बताइए डेरेल, ये बात कि आपने एतिहासिक यीशु के साथ शुरू किया, बिलकूल जैसे किसी दूसरे एतिहासिक व्यक्ति को देखते हैं, आपके पास अब्राहम लिंकन की जानकारी हैं, जो एक समय अमेरिका के राष्ट्रपति थे, क्या वो फोर्ड थेयटर में मरे या केले के छिलके से पैर फिसल कर गिरने से मरे? सच ये है कि ये एतिहासिक जानकारी है, जिसे हम देख सकते हैं, लेकिन ये नही देखते कि वी डॉक्यूमेंट प्रेरणा से लिखे हैं/

डॉ. डेरेल बॉक: जी, इसके लिए पर्याय लेते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, और इसके कारण हैं, यदि हम इतिहास में जाए तो जुलियस सीजर के समय में आएंगे, और उसके बाजू के व्यक्ति तो यीशु मसीह हैं, और ये सारी जानकारी हैं, तो, जो विद्यार्थी इसे देख रहे हैं, तो क्या प्रेरणा के विचार से शुरू करे, जो बाद में आए थे, या आप किस से शुरू करेंगे?

डॉ. डेरेल बॉक: जी, मैं यीशु की ओर देखकर शुरू करूंगा, और इसके बारे में देखूंगा कि यदि नए नियम में यीशु की कहानी का सार भी सही है, जैसे ये लोग यीशु के साथ रहे और चले फिरे, वो जानते थे कि वो कौन है, वो जानते थे कि क्या सिखाया हैं, वो कहानी के सार को सही तरह से लिए, और मैं जानता हूँ कि उनके लिए यीशु की शिक्षा महत्वपूर्ण थी, लेकिन परमेश्वर की योजना के लिए यीशु का व्यक्तित्व भी महत्वपूर्ण था/ और इस सन्दर्भ में, वो उसके संदेश लेंगे और गंभीरता से लेंगे, कि मनुष्य की दशा के बारे में क्या कहना चाहिए, मनुष्य की दशा तो यीशु के काम के कारण है, जो उसके सृष्टि की दशा के साथ मिलकर किया/ और वो उसे गंभीरता से देखेंगे तो पूछेंगे, क्या हम ऐसी आस्था की खोज करे, जो कहे कि हम सबकी जरूरत है, जो हम पूरी नही कर सकते हैं, ये पारंपारिक रूप में सही नही, लेकिन सृष्टि के रूप में सही है, तो इस तरह से ये न्योता है कि परमेश्वर

के साथ संबन्ध में आए, जिसे हमने तोडा था और उसने उसे सही करने के लिए कुछ काम किए, ये अद्‌भुत न्योता है, मैं सोचता हूँ कि जब हम यीशु के पास आकर उसे गले लगाते हैं, आप देखते हैं कि वो किस आदर के साथ बाइबल से व्यवहार करता है/ तो ये आप बाइबल के बारे में जो सोचते हैं उसे भी बदल देता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और आपने ये भी बताया था कि ये एतिहासिक रूप में सही है/

डॉ. डेरेल बॉक: बिलकुल, मैं कह सकता हूँ और ये निश्चित होने की बात नही है, मैं इसे बिलकुल सही केस बता सकता हूँ, एतिहासिक रूप में कहे, कि मसीही विश्वास जो भी यीशु मसीह और मसीहियत के बारे में कहता है, ये सच में एतिहासिक रूप में जड़ पकडे हुए हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक हैं, अगले हफ्ते हम बातचीत रोकनेवाली बात को देखेंगे, ठीक है, आप ये शब्द जानते हैं, ये शब्द और ये बात, और जो किताबें लिखी गई हैं, जो टीवी स्पेशल किए गए हैं, उनके द्वारा यीशु के बारे में बहुत से सवाल हमारी परंपरा में लाए गए हैं, और सब इस सवाल को जानते हैं, याने जब यीशु के बारे में कहते हैं तो ये बातचित रोकनेवाली बातें आती हैं, उन सुसमाचार के बारे में क्या जो जोड़े नही गए? जानते हैं इतिहास विजयी लोग लिखते हैं, क्या यीशु की शादी मरियम मगदलीनी से हुई और उनके बच्चे हुए और वो फ्रांस में गए, मतलब ये सारे सवाल, और हम इन सवालों का जवाब अगले हफ्ते देंगे, आप चूकना नही चाहेंगे, तो आशा है कि आप जुड़ जाएंगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्न्‌ द्यड्ढ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्ड्ढध्र्.द्दद्धढ़

@JAshow.org

क्ड्ढद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्डक्ष्